एक नजर में

तंबाकू सेवन बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास को प्रभावित करता है : पूर्व विधायक धाकड़

मंदसौर। शासन के तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान अभियान के तहत शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भैंसोदा में तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ ने कहा कि तंबाकू सेवन बच्चों और युवाओं के शारीरिक व मानसिक विकास को प्रभावित करता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों से तंबाकू-मुक्त जीवन अपनाने और दूसरों को भी प्रेरित करने की अपील की। जिला तंबाकू नियंत्रण समिति सदस्य करणसिंह परिहार ने बताया कि जिलेभर में जनजागृति कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से स्कूलों में बच्चों को तंबाकू के दुष्परिणामों से अवगत कराया जा रहा है। विद्यालय प्रभारी प्राचार्य रमेशचंद्र दादोरिया ने कहा कि विद्यालय परिसर को पूर्णत: तंबाकू-मुक्त बनाना सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में रेखा जोशी, नवीन चौहान, दीपक भारती, अर्जुन शर्मा, मनोहर सोनी, नाथूलाल पाटीदार सहित शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

विधि महाविद्यालय में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन हुआ

मन्दसौर। विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्षानुसार आयोजित की जाने वाली युवा उत्सव प्रतियोगिता के अन्तर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिता श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर में आयोजित की गई। उक्त आयोजन के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश श्री रघुवीर सिंह चुण्डावत, विशेष अतिथि के रूप में जिला प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष श्री ब्रजेश जोशी, दशपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री नेमीचन्द्र राठौर व युवा नेता श्री राजेश गुर्जर आदि के द्वारा कार्यक्रम के प्रतिभागियों एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता में तनिषा मालवीय एवं पोस्टर निर्माण में अंशिका शर्मा प्रथम श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय रहा। उद्घाटन कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का स्वागत प्राचार्य प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार पाटीदार एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राजेश कौशिक द्वारा किया गया। व उद्घाटन कार्यक्रम में पधारे समस्त अतिथिगण का आभार प्रो. हेमलता चौहान द्वारा प्रकट किया गया व उक्त कार्यक्रम का संचालन प्रो. प्रवीण कुमार चौधरी द्वारा किया गया।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा जिला अध्यक्ष पद पर अनिल तिवारी निर्विरोध निर्वाचित

मंदसौर। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, नई दिल्ली की मंदसौर जिला इकाई के जिला अध्यक्ष पद का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। निर्वाचन अधिकारी घनश्याम शर्मा ने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत जिला अध्यक्ष पद पर केवल एक नामांकन प्राप्त हुआ, जिसके फलस्वरूप अनिल तिवारी (झटावा) को सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

निर्वाचन उपरांत उपस्थित समाजजन ने नव-निर्वाचित जिला अध्यक्ष अनिल तिवारी का पुष्पमालाओं से स्वागत किया तथा महासभा के कार्यों को और अधिक सशक्त रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त हो रहे जिला अध्यक्ष सुधीर शर्मा ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए समाजजन के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय उप प्रधान शिवकुमार शर्मा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सत्यनारायण शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक झलोया, प्रदेश संगठन सचिव सतीश शर्मा एवं गोकुल शर्मा, प्रदेश मंत्री राजकुमार शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष को बधाई दी और महासभा के संगठन विस्तार की अपेक्षा जताई। राष्ट्रीय उप प्रधान शिवकुमार शर्मा ने कहा कि यह चयन प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में सर्वसम्मति से हुआ है। प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक झलोया ने महासभा में अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने और संगठन को व्यापक रूप देने का आह्वान किया। समाज के वरिष्ठ सदस्य मांगीलाल सुथार (सुवासरा) तथा मोहनलाल विश्वकर्मा (आगर) ने ग्रामीण क्षेत्रों तक महासभा की पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम का संचालन अशोक झलोया ने किया तथा निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग देने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर चंद्रशेखर तिवारी, अर्जुन झलोया, चंद्रप्रकाश शर्मा (छोटू भाई), श्याम तिवारी, महेश शर्मा, कैलाश शर्मा, अंशुल तिवारी, जय नारायण शर्मा, पीयूष तिवारी, पंकज गाजवा सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

'मिशन वात्सल्य' हर बच्चे के सुरक्षित भविष्य की दिशा में ठोस कदम : मंत्री सुश्री भूरिया

मंदसौर। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने 'मिशन वात्सल्य' योजना की समीक्षा बैठक में कहा कि यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि हर बच्चे के उज्जवल भविष्य की सामूहिक प्रतिबद्धता है। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य का कोई भी बच्चा असुरक्षित या असहाय न रहे। मंत्री ने दत्तक ग्रहण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि होम विजिट की प्रक्रिया एक माह में पूरी की जाए ताकि बच्चे शीघ्र सुरक्षित परिवारों से जुड़ सकें। ऑफ्टर केयर योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को प्रशिक्षण व रोजगार के अवसर देने, अनाथ बच्चों के लिए इंटरैक्शन प्रोग्राम और जॉब फेयर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि कंपोजिट भवन निर्माण प्रस्ताव से दत्तक ग्रहण, ऑफ्टर केयर और बाल देखरेख सेवाएं एक ही परिसर में संचालित की जा सकेंगी। आयुक्त निधि निवेदिता ने कहा कि स्पॉन्सरशिप योजना में विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता माताओं के बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने फील्ड अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 8 बाल देखरेख संस्थाओं को बंद करने के प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें वर्तमान में कोई बालक या बालिका निवासरत नहीं है। मंत्री ने निर्देश दिए कि बंद संस्थाओं से जुड़े बच्चों के पुनर्वास की प्रक्रिया सुरक्षित और नियमानुसार पूर्ण की जाए।

शंकुतला गर्ग ने समूह के माध्यम से प्राकृतिक जूस निर्मित कर आत्मनिर्भरता की मिसाल गढ़ी

- अपने उत्पाद को प्रदेश के साथ अंतरराज्यीय मेलों में भी प्रदर्शित किया
- समूह की कुल वार्षिक आय 3 से 5 लाख रुपये तक पहुंची

मंदसौर। म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखण्ड मंदसौर के अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपलिया कराड़िया की महिला श्रीमती शंकुतला गर्ग ने आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल कायम की है। प्रभारी विकासखण्ड प्रबंधक श्री अलकेश कटलाना के मार्गदर्शन में यहां महाराणा स्व-सहायता समूह का गठन किया गया, जिसमें श्रीमती शंकुतला गर्ग को भी जोड़ा गया। समूह से जुड़ने के बाद शंकुतला ने अपने परिवार के सहयोग से प्राकृतिक जूस (शरबत) बनाने का कार्य शुरू करने का निर्णय लिया। उन्होंने किसी प्रशिक्षण संस्था से नहीं, बल्कि यू-ट्यूब के माध्यम से प्राकृतिक जूस बनाने की विधि सीखी और छोटे स्तर पर उत्पादन प्रारंभ किया।

धीरे-धीरे उनके द्वारा बनाए गए जूस की मांग स्थानीय बाजार, हाट बाजार तथा राज्य स्तरीय मेलों में बढ़ने लगी। शंकुतला गर्ग ने अपने उत्पाद को प्रदेश और अंतरराज्यीय मेलों में भी प्रदर्शित किया। हाल ही में हरियाणा राज्य के गुड़गांव हाट बाजार में समूह द्वारा लगाए गए स्टॉल को स्थानीय प्रशासन और उपभोक्ताओं द्वारा काफी सराहा गया। मेले की अवधि समाप्त होने के बाद भी उन्हें फोन के माध्यम से लगातार ऑर्डर प्राप्त हो रहे हैं। मात्र 15 दिनों के इस मेले से समूह को संतोषजनक आय हुई और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।

समूह को स्थानीय बाजारों से लगभग 50,000 रुपये, प्राप्त ऑर्डर से 80,000 रुपये, स्थानीय मेलों से 1,20,000 रुपये, राज्य स्तरीय मेलों से 1,50,000 रुपये तथा अंतरराज्यीय मेलों से 2 से 3 लाख रुपये तक की वार्षिक आय प्राप्त हो रही है। इस प्रकार समूह की कुल वार्षिक आय लगभग 3 से 5 लाख रुपये तक पहुँच गई है।

मिशन द्वारा समूह को 20,000 रुपये चक्रीय कोष (ऋन्न) एवं 75,000 रुपये सामुदायिक निवेश कोष (ष्ट्ढस्न) की राशि प्रदान की गई, जिससे समूह की महिलाओं को अपने व्यवसाय को और सशक्त बनाने का अवसर मिला। आज महाराणा स्व-सहायता समूह की दीदियां आत्मनिर्भर बनकर न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार रही हैं, बल्कि अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी बन गई हैं। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि सही मार्गदर्शन और संकल्प हो, तो ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी अपनी मेहनत और लगन से बड़े स्तर पर पहचान बना सकती हैं।